Copy No. 6798/05

भारतीय गैर न्यायिक

दस रुपये रु.10

भारत

सत्यमेव जयते

INDIA

TEN RUPEES Rs.10

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

05AA 577857

प्रमाणित किया जाता है कि रूपये 10/- मात्र का स्टाम्प नकल संख्या 6798/2005 के साथ संलग्न किया गया है, जो दिनांक 19/11/1931 से बही नम्बर I की जिल्द नम्बर 695 के सुफे 264/265 के दस्तावेज नम्बर 2383 की सत्य एवं प्रमाणित प्रतिलिपि है, जिसे आज दिनांक 31/12/2005 को सब रजिस्ट्रार कार्यालय, मेरठ अभिलेखागार से नकल के रूप में जारी की गयी है।

सत्य प्रतिलिपि

अभिलेखपाल

कार्यालय अभिलेखागार

उप निबन्धक प्रथम

मेरठ

28 DEC 2005

2385 بهي نمبر ۱ – نمبر ترتيبي دستاويز

مالیت اسٹامپ ۹۲	نوعیت اور مالیت معاملہ کی	موضع و تفصیل جایداد متذکرہ دستاویز (دفعہ ۲۱ ایکٹ ۱۶ مصدرہ سنہ ۱۹۰۸ع) — دیگر تفصیلات جایداد کی حسب منشاء دفعہ ۲۱ ایکٹ ۱۶ سنہ ۱۹۰۸ع اور تاریخ تکمیل	نام موضع	نام تحصیل و پرگنہ	نام ضلع
۶/-	[illegible]	[illegible] ۱۹۳۱	[illegible]	[illegible]	[illegible]

نقل دستاویز

[illegible]

18/11/31

Pt. Qnahabir Pershad

S/ Prabhu Lal mukhtar m-nagar

S/ Raghbir Saran mukhtar m-nagar

[illegible]

سत्य प्रतिलिपि

مالیت اسٹامپ کی	نوعیت اور مالیت معاملہ کی	موضع و تفصیل جائداد متذکرہ دستاویز (دفعہ ۲۱ ایکٹ ۱۶ مصدرہ سنہ ۱۹۰۸ع)			
		دیگر تفصیلات جائداد کی حسب منشاء دفعہ ۲۱ ایکٹ ۱۶ سنہ ۱۹۰۸ع اور تاریخ تکمیل	نام موضع	نام تحصیل و پرگنہ	نام ضلع

نقل دستاویز

[illegible] Sd/ Pd/ Mahabir Pershad [illegible]

[illegible] Sd/ Pd/ Mahabir Pershad [illegible] انگوٹھہ

[illegible] 18/11/31 [illegible]

Sd/ Babu Lal [illegible] Muzaffarnagar

[illegible] ۱۹۳۱ [illegible]

True copy

[illegible] 6/12/ [illegible]

S.R

सत्य प्रतिलिपि
[illegible]
कार्यालय अभिलेखागार
उप निबंधक प्रथम
[illegible]

मै कि महावीर प्रसाद पुत्र श्री जानकी प्रसाद जाति महाब्राहमण साकिन कस्बा मुजफ्फरनगर परगना व जिला मुजफ्फरनगर का हूँ। जो मवाजी दो बीघा ग्यारह बिस्वा पन्द्रह बिस्वांसी पुख्ता आराजी नम्बरी खसरा जैल यानि हिस्सा आराजी खसरा नम्बर मुन्दर्जा पन्द्रह सौ रकबई दस बीघा सतरह बिस्वा तेरह बिस्वांसी पुख्ता (1500/10-17-13 पुख्ता) जानिब शर्क व जनूब मय दरख्तान मय मौका आराजी मजकूरा जैर दरख्ती व हक आमोदरफ्त व रास्ता व आबपाशी वगैरा मिन मुकिर मिन्जुमला मवाजी दस बीघा सतरह बिस्वा तेरह बिस्वांसी पुख्ता मुताल्लिका खेवट नम्बर 29 महाल गैर दाईयान पट्टी मजबता वाकै कस्बा मुजफ्फरनगर महाल हकीयत मिलकीयत व मकबूजा जुदागाना बरूये तकसीमनामा बहामी मवर्रिखा 10-06-1923 ई0 वहद मवर्रिखा रजिस्ट्री 13 जून सन् 1923 ईस्वी, जिसकी रजिस्ट्री बही नम्बर 1 जिल्द 553 के सफे 183 लगायत 185 में नम्बर 1286 पर 18-06-1923 ई0 जरिये रजिस्ट्री बिला शिरकत गैरे व दखली दीगरी मुकिर की है। अब मैने बसूरत नफासे व सबाते अक्ल अपनी बिला अक्राह व इजहार दीगरे वारिस खुद आराजी मजकूरा बाला को मय जुमला हक व हकूक लवाहक दाखिल खारजा वगैरा ममलूका आराजी मजकूरा बाला बिल एवज मुबलिग छः सौ रूपये सिक्का सरकार निस्फ जिसके मुबलिग तीन सौ रूपये सिक्का सरकार होते है, बहक आर्य विद्या सभा मुजफ्फरनगर जो बमुजीब कानून इस वक्त एक रजिस्ट्रीशुदा सोसाइटी है। डी. ए. वी. हाईस्कूल मुजफ्फरनगर की इन्तजामिया कमैटी में बेकतई कर दी और बेच दी और खसरा नम्बर पन्द्रह सौ रकबई दस बीघे सतरह बिस्से तेरह बिस्वांसी पुख्ता मुफसला मुन्दर्जे मुताल्लिका गैर के अहले हकूक मिन मुकिर बदस्तूर महफूज रहेगी और जरे समन तमाम व कमाल नकद रूबरू सब रजिस्ट्रार मुजफ्फरनगर मय बाबू अशोकी लाल साहब सैक्रेटरी मौसूफ वसूल पा लिया, कोई हब्बा बाकी नहीं रहा और कब्जा अपना हकीयत बैय से उठाकर कब्जा मुश्तरी का मार्फत जनाब सैक्रेटरी साहब मौसूफ करा दिया। शैमुश्तरी को अख्तियार होगा कि हकीयत बै मजकूरा को मय दरख्तान परवरिश वास्ते एतराज व मजकूरा जिस तौर पर चाहे काम में लावे या जो चाहे सो करे मुझको या वारसान मेरे को बालगान व नाबलगान जानिशा

किसी किस्म की नहीं होगी। अब मुकिर का कोई हक व हिस्सा हकीयत बैय में किसी किस्म का बाकी नहीं रहा है। तमाम व कमाल बेच दिया। अगर कोई शहीम शरीक या कोई खानदानी मेरा या कोई शख्स मौसूमा किसी नुक्स कानूनी निस्बत हकीयत बै मजकूरा किसी किस्म का हो तो जवाबदेही उसकी बजिम्मे मेरी होगी। मै मुश्तरी को यकीन दिलाता हूँ और कराता हूँ कि हकीयत बैय खुद व मकसूल नहीं है और न किसी तरह पर चलेगा या जरा मुस्तकिल व गैर जवाबदेही बहालत कफालत हकीयत कब्जा मजकूरा बाला को या मेरे दाखिल खारिज कागजात सरकारी में कराने की सब मेरी को अख्तियार वास्ते जरे समन जुज व बिल्कुल मय सूद जाब्ता एक रूपया फीसदी माहवारी तारीख इमरोजा से बराय कयामत हकीयत मुबईया जात व दीगर जायदाद हर किस्म मुझ पर हासिल होगा। मुझको या वारिसान नाबालिगान या जानिशा या मेरे कोई उर्ज या एतराज न होगा। यह बैनामा लिख दिया है कि सनद हो और काम आवे। तफसील हकीयत शैमुबईया वाकै मुजफ्फरनगर पट्टी खनद जाहा महाल गैर दाईयान मुन्दर्जा खेवट नम्बर 29 खसरा नम्बर 1500/4 रकबई एक बीघा छः बिस्वा पुख्ता व 1500/5 रकबई एक बीघा पाँच बिस्से पन्द्रह बिस्वांसी। तहरीर ता. 18 नवम्बर 1931 ई0 तहसील मुजफ्फरनगर जानकीलाल अरायज नवीस नम्बर 34, हस्ताक्षर महावीर प्रसाद मुकिर मजकूर हस्ताक्षर लाला रामजीदास पुत्र श्री लाला देवी सहाय वैश्य साकिन मुजफ्फरनगर। रामजीदास बकलम खुद गवाह जानकी लाल कातिब बकलम खुद हस्ताक्षर अंग्रेजी रघुवीर सिंह, हस्ताक्षर अंग्रेजी प्रभुलाल।

पेशी

मुसम्मी महावीर प्रसाद पुत्र श्री जानकीदास जाति महाब्राहमण पेशा खुद साकिन मुजफ्फरनगर मौहल्ला बाजार कलां जिला मुजफ्फरनगर एस. डी. दफ्तर सब रजिस्ट्रार मुजफ्फरनगर 18-11-1931 ई0 हस्ताक्षर हस्ताक्षर रामजीदास पुत्र श्री देवी सहाय। गवाह बाबू प्रभूलाल मुख्तार अदालत कलेक्ट्री मुजफ्फरनगर। गवाह रामजी दास बकलम खुद। हस्ताक्षर बाबू बिशन दयाल।

तकमील दस्तावेज हाजा बही नम्बर 1 जिल्द 694 सफे 264-265 नम्बर 2383 दिनांक 19-11-1931 ई0।

हिन्दी अनुवादः- जीवनराम मित्तल, दस्तावेज लेखक, तहसील सदर मुजफ्फरनगर।